बोर्ड कृतिपत्रिका: मार्च 2022

समय: 2 घंटे **कुल अंक: 40**

सूचनाएँ:

1. सूचनाओं के अनुसार गद्य, पद्य तथा भाषा अध्ययन (व्याकरण) की कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग करें।
3. रचना विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखने के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
4. शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 – गद्य : 12 अंक

1. (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

साँझ हो चली थी, डिब्बे की बत्तियाँ जलने लगी थीं, लोगों ने अपने-अपने होल्डॉल बिछाने शुरू कर दिए। मैंने भी थककर चूर हो जाने के कारण सिरदर्द की एक गोली खाई और लेटना चाहा।

सहयात्री ने देखा तो पूछा – "क्या आपको सिरदर्द हो रहा है?"

मैंने कहा - "जी हाँ।"

बोले – "आप ऐसी-वैसी गोलियाँ क्यों खाते हैं, इससे रिएक्शन हो सकता है। फिर पूछा – "कल क्या खाया था। रास्ते में कहीं पूरी-कचौड़ी तो नहीं खा ली? अरे! ये रेलवे के ठेकेदार कल की बासी पूरी-कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर ताजा के नाम पर बेचते हैं। कहेंगे हाथ लगाकर देख लो, गरम है कि नहीं। उन्हें तो अपनी जेब गरम करनी है।"

"मैं तो घर से पराँठे लेकर चलता हूँ। रास्ते में कोई और पराँठेवाला मिल जाता है तो दो और दो-चार मिलाकर खाने में मजा आ जाता है।"

मैंने कहा – "मेरे परिवार में सभी के सिर हैं, अतएव सबको सिरदर्द होना स्वाभाविक है।"

(1) उत्तर लिखिए:

(i) **[1]**

गद्यांश में प्रयुक्त शरीर के अंग

(ii) **[1]**

गद्यांश में आए व्यंजन

(2) (i) गद्यांश में आए अंग्रेजी शब्द ढूँढ़कर लिखिए: **[1]**

(1) (2)

(ii) निम्नलिखित शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

रास्ता = (1) ________ (2) ________

(3) "रेल यात्रा पर जाने से पहले आरक्षण की आवश्यकता है" इस संदर्भ में 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[6]**

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया–सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी। उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था। उसने नगर से बाहर बड़े-से पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा। धीरे-धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है। लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे-धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया। सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी। लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं। अपनी इस कीर्ति से साधु को कभी-कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन-ही-मन वह अपनी सफलता पर मुसकराया करता।

उत्तर लिखिए:

(1) बहुरूपिये का साधु रूप ऐसा था: **[2]**

(i) माथे पर ________

(ii) सिर पर ________

(iii) नंगे शरीर पर ________

(iv) कमर में ________

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के विलोमार्थक शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखिए : **[1]**

1 महल × 2 असफलता ×

(ii) निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखिए : **[1]**

1 डेरा × 2 लँगोटी ×

(3) 'हमें अपने व्यवसाय के प्रति ईमानदार होना चाहिए' 25 से 30 शब्दों में अपने विचार लिखिए। **[2]**

विभाग 2 – पद्य : 8 अंक

2. (अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं।
चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा।
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।
बाग-बगीचे, ताल-तलैया सब मुस्काएँ,
झूम-झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी-सोंधी-सी सुगंध, माटी से बोली।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए: **[2]**

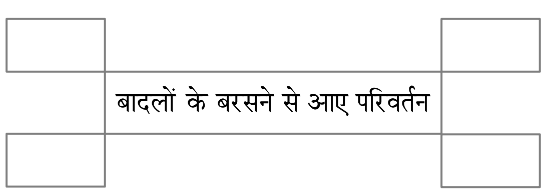

(2) पद्यांश की अंतिम चार पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

(आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[4]**

धूरि भरे अति सोहत स्याम जू, तैसी बनी सिर सुंदर चोटी।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैंजनि बाजति, पीरी कछोटी।।
वा छबि के 'रसखान' बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी।
काग के भाग कहा कहिए, हरि हाथ सों लै गयो माखन रोटी।।
सोहत है चँदवा सिर मोर को, तैसिय सुंदर पाग कसी है।
वैसिय गोरज भाल बिराजत, जैसी हिये बनमाल लसी है।।
'रसखान' बिलोकत बौरी भई, दृग मूँदि कै ग्वालि पुकार हँसी है।
खोलि री घूँघट, खोलौं कहा, वह मूरति नैननि माँझ बसी है।।

(1) आकृति में लिखिए: **[1]**

(i) पद्यांश में प्रयुक्त पंछियों के नाम

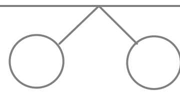

(ii) कृष्ण ने पहने हैं ________ **[1]**

(1) पग में =

(2) सुंदर कसी हुई =

(2) पद्यांश की प्रथम दो पंक्तियों का सरल अर्थ 25 से 30 शब्दों में लिखिए। **[2]**

विभाग 3 – भाषा अध्ययन (व्याकरण) : 8 अंक

3. सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए: **[8]**

(1) मानक वर्तनी के अनुसार सही शब्द छाँटकर लिखिए: **[1]**

(i) सुरक्शित, सुरक्षित, सूरक्षित, सुरक्षीत ________

(ii) मन्त्रमुग्ध, मंत्रमुग्ध, मँत्रमुग्ध, मंत्रमुगद्ध ________

(2) निम्नलिखित अव्ययों में से किसी **एक** अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए: **[1]**

(i) अथवा

(ii) आह!

(3) कृति पूर्ण कीजिए: **[1]**

संधि शब्द	संधि-विच्छेद	संधि भेद
हिमालय	_________	_________
	अथवा	
_________	आशी: + वाद	_________

(4) अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए: **[1]**

(अंक में भरना, पिंड छुड़ाना)

भवन की तत्कालीन स्वामिनी ने मुझे <u>गले लगाया</u>।

अथवा

निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर उचित वाक्य में प्रयोग कीजिए:

मौत के मुँह में चले जाना –

(5) कालभेद पहचानना तथा काल परिवर्तन करना: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का कालभेद पहचानिए:
कहाँ तक चल रहे हैं?

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी **एक** वाक्य का सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए:

(1) वे पास के कमरे में बैठे हैं। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (पूर्ण भूतकाल)

(6) वाक्य के भेद तथा वाक्य परिवर्तन: **[2]**

(i) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए:
वह आदमी पागल नहीं हो सकता।

(ii) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए:
इसका हमने तुम्हें न्योता दिया था। (प्रश्नार्थक वाक्य)

विभाग 4 – रचना विभाग (उपयोजित लेखन) : 12 अंक

सूचना – आवश्यकतानुसार परिच्छेदों में लेखन अपेक्षित है।

4. सूचनाओं के अनुसार लिखिए: **[12]**

(अ) (1) पत्रलेखन: **[4]**

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्रलेखन कीजिए:

कोपरी रहिवासी संघ, ए-111, कोपरी, विलास भवन, ठाणे (पश्चिम) मंडल आयुक्त, जोन-3, महानगरपालिका, कोपरी, ठाणे (पश्चिम) को क्षेत्र में फैली गंदगी के संबंध में शिकायत-पत्र लिखते हैं।

अथवा

औरंगाबाद में रहने वाला/वाली सोहम शर्मा अपना/अपनी मित्र/सहेली मोहन/मोहिनी पांडे को 'व्यायाम का महत्त्व' समझाते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

(२) कहानी लेखन: **[4]**

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर **60** से **70** शब्दों में कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए तथा सीख लिखिए:

एक मजदूर – दिन भर श्रम करना – बनिया की दुकान से रोज चावल खरीदना – बनिया द्वारा बचत की सलाह – मजदूर की उपेक्षा करना – बनिया द्वारा मजदूर के चावलों में से थोड़ा-थोड़ा चावल अलग करना – पंद्रह दिन बाद मजदूर के हाथ में दो किलो चावल – मजदूर आश्चर्यचकित – बनिया का बचत की बात बताना – मजदूर को बचत का महत्त्व समझना – सीख।

अथवा

गद्य आकलन — प्रश्न निर्मिति:

विख्यात गणितज्ञ सी.वी. रमण ने छात्रावस्था में ही विज्ञान के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का सिक्का देश में ही नहीं विदेशों में भी जमा लिया था।

रमण का एक साथी छात्र ध्वनि के संबंध में कुछ प्रयोग कर रहा था। उसे कुछ कठिनाइयाँ प्रतीत हुईं, संदेह हुए। वह अपने अध्यापक जोन्स साहब के पास गया परंतु वह भी उसका संदेह निवारण न कर सके। रमण को पता चला तो उन्होंने उस समस्या का अध्ययन-मनन किया और इस संबंध में उस समय के प्रसिद्ध लॉर्ड रेले के निबंध पढ़े और उस समस्या का एक नया ही हल खोज निकाला। यह हल पहले हल से सरल और

अच्छा था। लॉर्ड रेले को इस बात का पता चला तो उन्होंने रमण की प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अध्यापक जोन्स भी प्रसन्न हुए और उन्होंने रमण से इस प्रयोग के संबंध में लेख लिखने को कहा। रमण ने लेख लिखकर श्री जोन्स को दिया, पर जोन्स उसे जल्दी लौटा न सके। कारण संभवत: यह था कि वह उसे पूरी तरह आत्मसात न कर सके।

(आ) निबंध लेखन: **[4]**

निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर **60** से **70** शब्दों में निबंध लिखिए:

(1) मेरा प्रिय नेता

(2) मोबाइल की उपयोगिता।